

**BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME
(BDP PHILOSOPHY)**

**Term-End Examination
December, 2015**

**ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY
BPY-010 : EPISTEMOLOGY**

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

-
- Note :** (i) *Answer all five questions.*
(ii) *All questions carry equal marks.*
(iii) *Answer to question nos. 1 and 2 should be in about 400 words each.*
-
-

1. Define Epistemology. Give the Scope and Importance of Epistemology. 20

OR

Give the meaning of 'Sabda'. Explain 'Sabda' in Nyaya System. 20

2. Critically evaluate the classical theories of truth. 20

OR

Explain the Humean theory of Knowledge. 20

3. Answer **any two** of the following in about **200** words each :
- (a) Explain the deductive methods of Inference. 10
 - (b) Give an account of Neo - pragmatic theory of truth. 10
 - (c) Explain the method and significance of Foundationalism. 10
 - (d) Explain Sabda as described in Mimamsa and Advaita System. 10
4. Answer **any four** of the following in about **150** words each :
- (a) Explain *anumana* in Indian Philosophy. 5
 - (b) Describe Kantian Synthesis of rationalism and empiricism. 5
 - (c) Explain extra - ordinary Perception. 5
 - (d) Analyse the ecological approach to perception. 5
 - (e) Describe phenomenological Epistemology. 5
 - (f) Explain contextual continuity. 5
5. Write short notes on **any five** of the following in about **100** words each :
- (a) Scepticism 4
 - (b) Analogy of Being 4
 - (c) Communicative Rationality 4
 - (d) Certainty 4
 - (e) Stand - point theory 4
 - (f) Cogito Ergo Sum 4
 - (g) Deflationary theory of truth 4
 - (h) Faith and subjectivity in Kierkegaard 4
-

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी. दर्शन शास्त्र)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2015

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र
बी.पी.वाई.-010 : ज्ञानमीमांसा

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

- नोट : (i) सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
(iii) प्रश्न संख्या 1 और 2 में प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।

1. ज्ञानमीमांसा को परिभाषित करें। ज्ञानमीमांसा के महत्व तथा 20
विषय क्षेत्र पर प्रकाश डालिए।

अथवा

- 'शब्द' के अर्थ को स्पष्ट कीजिए। न्याय प्रणाली में प्रस्तुत 20
'शब्द' की व्याख्या कीजिए।

2. सत्य के शास्त्रीय सिद्धान्तों का आलोचनात्मक मूल्यांकन करें। 20

अथवा

- ह्यूम के ज्ञान के सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए। 20

3. **किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए :
- (a) अनुमान की निगमनात्मक पद्धति की व्याख्या करें। 10
- (b) सत्य के नव-उपयोगवादी सिद्धान्त का वर्णन करें। 10
- (c) आधारभूतवाद की पद्धति एवं उसके महत्व की व्याख्या कीजिए। 10
- (d) मीमांसा और अद्वैत वेदान्त के अनुसार शब्द प्रमाण की व्याख्या कीजिए। 10
4. **किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :
- (a) भारतीय दर्शन में *अनुमान* की व्याख्या करें। 5
- (b) काँट के बुद्धिवाद और अनुभववाद के संश्लेषण का वर्णन कीजिए। 5
- (c) असाधारण प्रत्यक्ष की व्याख्या कीजिए। 5
- (d) प्रत्यक्ष की पारिस्थितिकीय दृष्टि का विश्लेषण करें। 5
- (e) संवृत्ति शास्त्रीय ज्ञानमीमांसा का वर्णन कीजिए। 5
- (f) संदर्भगत निरन्तरता की व्याख्या कीजिए। 5
5. **किन्हीं पाँच प्रश्नों में प्रत्येक पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :**
- (a) संशयवाद 4
- (b) सत् की सादृश्यता 4
- (c) सम्प्रेषणात्मक बौद्धिकता 4
- (d) निश्चितता 4
- (e) दृष्टिकोण सिद्धान्त (Stand point theory) 4
- (f) कॉजिटो अर्गो सम 4
- (g) सत्य का अस्फीति सिद्धान्त 4
- (h) कर्कगार्ड में आस्था और विषयीता 4